

परिनिर्वाण पुं. (तत्.) अति निर्वाण, पूर्ण निर्वाण, पूर्ण मोक्ष।

परिनिर्वाति स्त्री. (तत्.) निर्वाण मुक्ति, निर्वाण गति।

परिनिर्वृति स्त्री. (तत्.) मोक्ष, मुक्ति, परिमुक्ति।

परिनिष्ठा स्त्री. (तत्.) 1. चरम सीमा, अंतिम सीमा, किसी कार्य की पराकाष्ठा 2. पूर्णता 3. ज्ञान की संपूर्णता, अभ्यास।

परिनिष्ठित वि. (तत्.) 1. पूर्ण, संपन्न, समाप्त 2. पूर्ण कुशल 3. पूरी तरह अभ्यस्त।

परिनिष्पन्न वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह से पूरा हो चुका काम 2. सुख-दुख, भाव-अभाव या राग-विराग की चिंता से मुक्त, चिंता से दूर।

परिनिष्ठिक वि. (तत्.) सर्वश्रेष्ठ, सर्वोच्च, सर्वोत्कृष्ट।

परिन्यास पुं. (तत्.) 1. कविता के किसी पद, वाक्य आदि के भाव में पूर्णता लाना 2. साहित्य का एक विशिष्ट गुण, साहित्यिक रचना में एक विशिष्ट स्थल 3. नाटक में आख्यान बीज।

परिपंच पुं. (तद्.) दे. प्रपंच।

परिपंचित वि. (तद्.) 1. फैलाया गया, विस्तार दिया गया 2. परस्पर विरोधी कार्यों का निष्पादन 3. मायावी, मिथ्यात्मक 4. छल-कपट या झंझट से युक्त।

परिपंथ पुं. (तत्.) रास्ता रोकने वाला।

परिपंथक वि. (तत्.) मार्ग रोकने वाला पुं. 1. शत्रु, दुश्मन 2. प्रतिकूल आचरण करने वाला।

परिपंथिक वि. (तत्.) 1. मार्ग या पंथ रोकने वाला 2. दे. परिपंथक।

परिपंथी पुं./वि. (तद्.) 1. शत्रु, दुश्मन 2. विरुद्ध कार्य करने वाला, प्रतिकूल आचरण करने वाला।

परिपक्व वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह से पका हुआ, पूर्णतः पक्व, सम्यक् रीति से पका हुआ जैसे-फल, भोज्य पदार्थ 2. पूर्णतः पचा हुआ, पूर्णतः हजम हो गया 3. पूर्णतः विकसित, प्रौढ़, पुख्ता, परिणत जैसे- परिपक्व ज्ञान, परिपक्व विचार,

परिपक्व दृष्टि 4. जो बहुत कुछ देख-सुन चुका हो, बहुदर्शी, अनुभवी 5. निपुण, कुशल, प्रवीण 6. जिसका नियत समय पूरा हो चुका हो।

परिपक्वता स्त्री. (तत्.) परिपक्व होने की क्रिया, भाव या अवस्था।

परिपक्वावस्था स्त्री. (तत्.) 1. परिपक्व होने की दशा, स्थिति 2. प्रौढ़ता, प्रौढ़ावस्था।

परिपटी पुं. (तद्.) शत्रु, विपक्ष, प्रतिद्वंद्वी।

परिपण पुं. (तत्.) मूल धन, पूँजी।

परिपणन पुं. (तत्.) 1. बाजी लगाना, शर्त लगाना 2. वचन देना, वायदा करना, प्रतिज्ञा करना।

परिपणित वि. (तत्.) 1. वह जिस पर शर्त लगी हो, लगाई गई हो 2. जिसे शर्त या बाजी में लगाया गया हो 3. वह कथन या बात जिसके संबंध में वादा किया गया हो।

परिपणित देश संधि स्त्री. (तत्.) प्राचीन भारत में मित्र देशों के बीच होने वाली वह संधि जिसमें यह नियत होता है कि कौन किस देश पर आक्रमण करेगा और कितने समय तक लड़ेगा।

परिपणितार्थ संधि स्त्री. (तत्.) इस प्रकार की संधि जिसके अनुसार पूर्व निश्चय के आधार पर अपना-अपना कार्य करना पड़े।

परिपतन पुं. (तत्.) किसी के चारों तरफ उड़ना, चारों ओर मँडराना, चारों तरफ नमस्कार लगाना।

परिपति पुं. (तत्.) 1. सर्वव्यापी, हर स्थान पर जो उपस्थित हो 2. जो सबका स्वामी हो, परमात्मा।

परिपत्र पुं. (तत्.) विशिष्ट या संबद्ध पदाधिकारी को, सदस्यों को सूचनार्थ भेजे जाने वाला पत्र circular

परिपर पुं. (तत्.) टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता, चक्करदार रास्ता, परिपथ।

परिपवन पुं. (तत्.) 1. अनाज ओसाना, छान कर साफ करना, भूसे और अन्न को अलग-अलग